हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में गणतंत्र दिवस का आयोजन

हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में 26 जनवरी 2017 को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ संस्थान के निदेशक डॉ. वी.पी. तिवारी ने ध्वजारोहण कर किया । तदोपरांत वहां उपस्थित, संस्थान के समस्त अधिकारीयों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने राष्ट्रगान गाया ।

इस अवसर पर डॉ. तिवारी नें उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि आज देश अपना 68वाँ गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह दिन हम सभी के लिए बहुत महत्व का दिन है जिसे हम बेहद उत्साह के साथ मनाते हैं। भारत एक महान देश है जहां विभिन्न जाति और धर्म के लोग प्यार से रहते हैं और केवल भारत में ही विविधता में एकता देखने को मिलती है।

गणतंत्र दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए डॉ. तिवारी ने बताया कि दिसम्बर 1929 में लाहौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ जिस में प्रस्ताव पारित कर यह घोषणा की गई कि यदि अंग्रेज सरकार 26 जनवरी 1930 तक भारत में स्वायतयोपनिवेश (डोमिनयन) का पद प्रदान नहीं करेगी तो भारत अपने को पूर्णत: स्वतंत्र घोषित कर देगा। 26 जनवरी 1930 तक जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं किया तब कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की घोषणा की और अपना सक्रिय आन्दोलन आरम्भ किया। उस दिन से 1947 में स्वत्रंता प्राप्त होने तक २६ जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के आजाद होने के बाद सविंधान सभा की घोषणा हुई। सभा ने अपना कार्य दिसम्बर, 1946 से आरम्भ कर दिया और 26 नवम्बर, 1949 को भारत का सविंधान तैयार कर दिया। तत्पश्चात अनेक सुधार और बदलावों के पश्चात 24 जनवरी, 1950 को सविंधान सभा के सदस्यों नें हस्तलिखित कापियों पर हस्ताक्षर किए। 26 जनवरी, 1950 से देश में सविंधान लागू हो गया और भारत एक सम्पूर्ण गणतांत्रिक देश बन गया। इस अवसर पर उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए दिए गए बलिदानों को भी याद किया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर राज्यों में किए जा रहे कार्यों विशेषकर दुर्गम क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन का उल्लेख करते हुए निदेशक महोदय ने संस्थान के सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों से आह्वाहन किया कि वानिकी के क्षेत्र में वर्तमान चुनौतियों यथा ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर और अधिक कार्य करें।

अंत में डॉ. तिवारी ने संस्थान के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों का कड़ाके की ठण्ड एवं बारिश के बावजूद गणतंत्र दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए धन्यवाद किया ।